Regd. With the Registrar of News Papers of India at PUN BIL/2002/07848
Postal Reg. No. GDP-41/2017-19

मजिल्स अन्सारुल्लाह भारत का तर्जुमान

मासिक

अन्सारुल्लाह

क़ादियान

नवम्बर,दिसम्बर/ 2020 ई०

Annual Subscription: Rs. 210/- (Per Issue: Rs. 20/-
(Weight : 50-100, grms / Issue)

मज्लिस अन्सारुल्लाह हैदराबाद के सदस्य एक अनाथालय में आवश्यक सामग्री वितरण करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह हैदराबाद के सदस्यों द्वारा अनाथालय में आवश्यक सामग्री वितरण के समय का दृश्य।

मज्लिस अन्सारुल्लाह ऋषिनगर कश्मीर द्वारा आयोजित सामूहिक वक़ार-ए-अम्ल का दृश्य।

मज्लिस अन्सारुल्लाह शिमोगा द्वारा आयोजित सामूहिक वक़ार-ए-अम्ल का दृश्य।

संस्था ह्यूमैनिटी फ़र्स्ट के अंतर्गत मज्लिस अन्सारुल्लाह हैदराबाद के सदस्य बाढ़ पीड़ितों में बिस्तर वितरण करते हुए।

आदरणीय तनवीर अहमद साहिब नाज़िम ज़िला हैदराबाद बाढ़ पीड़ितों में बाढ़ के कारण फैलने वाले रोगों से सुरक्षा हेतु होमोयोपैथिक औषधि वितरण करते हुए।

आदरणीय तनवीर अहमद साहिब नाज़िम ज़िला हैदराबाद बाढ़ पीड़ितों में बाढ़ के कारण फैलने वाले रोगों से सुरक्षा हेतु होमोयोपैथिक औषधि वितरण करते हुए।

आदरणीय टी.एम.अब्दुल मुजीब साहिब कायद मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत मज्लिस आमला ज़िला मल्लप्पुरम केरला के सदस्यों के साथ गूगल मैट द्वारा मीटिंग करते हुए।

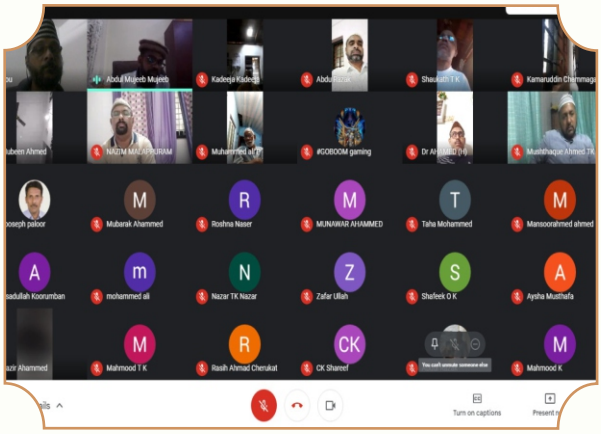

आदरणीय टी.एम.अब्दुल मुजीब साहिब कायद मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत और मज्लिस आमला ज़िला मल्लप्पुरम केरला की मीटिंग में अन्सारुल्लाह के सदस्य भाग लेते हुए।

आदरणीय टी.एम.अब्दुल मुजीब साहिब कायद मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत और मज्लिस आमला ज़िला मल्लप्पुरम केरला की मीटिंग में अन्सारुल्लाह के सदस्य भाग लेते हुए।

निगरान
अताउल मुजीब लोन

सम्पादक
सय्यद रसूल नियाज़

उप-सम्पादक
शेख़ मुजाहिद अहमद शास्त्री
09915379255

मैनेजर
मक्सूद अहमद भट्टी
Ph. +91 84272 63701

कम्पोज़िंग
तसनीम अहमद बट्ट

प्रैस
फ़ज़्ले उमर प्रिंटिंग प्रैस
क़ादियान

वार्षिक मूल्य : 210 ₹
विदेश : 50 अमरीकी डॉलर

प्रकाशन स्थान
ऐवाने अन्सार, भारत
क़ादियान - 143516
ज़िला : गुरदासपुर, पंजाब
फोन : 01872-220186
फैक्स : 01872-224186

بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡدِ

یٰۤاَیُّہَا الَّذِیۡنَ اٰمَنُوۡا کُوۡنُوۡۤا اَنۡصَارَ اللّٰہِ
سورۃ الصّف آیت ۱۵

मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत का प्रवक्ता

मासिक पत्रिका

अन्सारुल्लाह

क़ादियान

Volume - 18 **नवम्बर-दिसम्बर 2020** **Issue - 11-12**

विषय सूची	पृष्ठ
दर्सुल क़ुर्आन	2
दर्सुल हदीस	2
हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के उपदेश	3
सम्पादकीय -फ्रांस के प्रधानमन्त्री के घृणित बयान का खण्डन	4
सदर मज्लिस अन्सारुल्लाह का निवेदन - आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के सुन्दर चेहरे को दुनिया को दिखाएं।	6
समापन ख़िताब हुज़ूर अनवर(अ) सालाना इज्तिमा मज्लिस अन्सारुल्लाह बर्तानिया 2019 ई (भाग..3)	8

Printed & Published by Shoaib Ahmad M.A. and owned by Majlis Ansarullah Bharat Qadian and Printed at Fazle Umar Printing Press, Harchowal Road, Qadian Distt. Gurdaspur 143516, Punjab, INDIA and Published at Office Majlis Ansarullah Bharat, P.o. Qadian, Distt. Gurdaspur 143516 Punjab India. Editor Syed Rasool Niyaz

قرآن کریم दर्सुल क़ुर्आन

وَاِذَا غَشِيَهُمۡ مَّوۡجٌ كَالظُّلَلِ دَعَوُا اللّٰهَ مُخۡلِصِيۡنَ لَهُ الدِّيۡنَ فَلَمَّا نَجّٰهُمۡ اِلَى الۡبَرِّ فَمِنۡهُمۡ
مُّقۡتَصِدٌ وَمَا يَجۡحَدُ بِاٰيٰتِنَاۤ اِلَّا كُلُّ خَتَّارٍ كَفُوۡرٍ ۝

(सूर: लुक्मान- आयत 33)

अनुवाद और जब उन्हें कोई मौज साए की तरह ढांक लेती है तो वह इबादत केवल अल्लाह के लिए विशेष करते हुए उस को पुकारते हैं। फिर जब वे उन्हें ख़ुश्की की तरफ़ नजात दे देता है तो उन में से कुछ लोग मध्य मार्ग पर क़ायम रहते हैं और हमारी आयतों का इन्कार सिर्फ़ वादा तोड़ने वाला और नाशुक्री करने वाला ही करता है।

दर्सुल हदीस

عَنۡ عَائِشَةَ رَضِيَ اللهُ عَنۡهَا، قَالَتۡ كَانَ النَّبِی صلی الله عَلَيۡهِ وَسَلَّمَ۔ إِذَا رَاٰی مخیلَةً فِي السَّمَآءِ اَقۡبَلَ وَاَدۡبَرَ وَدَخَلَ وَخَرَجَ وَتَغَيَّرَ وَجۡهَهُ، فَإِذَا اَمۡطَرَتِ السَّمَآء سری عَنۡهُ فعَرِفَتۡهُ عَائِشَة ذلك، فَقَالَ النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيۡهِ وَسَلَّمَ مَا اَدۡرِیۡ لَعَلَّهٗ كَمَا قَالَ قَوۡمٌ فَلَمَّا رَاَوۡهُ عَارِضًا مُّسۡتَقۡبِلَ اَوۡدِيَتِهِمۡ سورة الاحقاف آية ٢٤ الآية۔

(सहीह बुख़ारी किताबुल ख़ल्क़ बाब मा जाआ फी क़ौलेही......... हदीस 3206)

अनुवाद - आयशा रज़ि अल्लाह अन्हा ने वर्णन किया कि जब नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम बादल का कोई ऐसा टुकड़ा देखते जिससे बारिश की उम्मीद होती तो आप कभी आगे आते, कभी पीछे जाते, कभी घर के भीतर तशरीफ़ लाते, कभी बाहर आ जाते और मुबारक चेहरा का रंग बदल जाता। लेकिन जब बारिश होने लगती तो फिर यह कैफ़ीयत बाक़ी न रहती। एक बार आयशा रज़ि अल्लाह अन्हा ने उस के बारे में आपसे पूछा। तो आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया। मैं नहीं जानता संभव है यह बादल भी वैसा ही हो जिसके बारे में क़ौम आद ने कहा था, जब उन्होंने बादल को अपनी वादियों की तरफ़ आते देखा था। आख़िर आयत तक (कि उनके लिए रहमत का बादल आया है, हालाँकि वह अज़ाब का था)।

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के दिव्य उपदेश

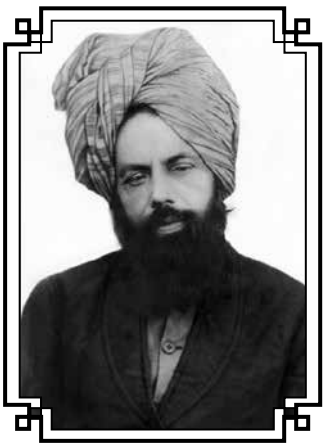

आज ख़ुदा से डरो ताकि उस दिन के डरने से शान्ति में रहो।

"प्रकोपों के बारे में जो मुझे ज्ञान दिया गया है वह यही है कि हर एक तरफ़ दुनिया में मौत अपना दामन फैलाएगी और भूकम्प आएँगे और शिद्दत से आएँगे और क़यामत का नमूना होंगे और ज़मीन ऊपर नीचे कर देंगे और बहुतों की ज़िन्दगी कष्टदायक हो जाएगी। फिर वे जो तौबा करेंगे और गुनाहों से दूर हो जाऐंगे ख़ुदा उन पर रहम करेगा। जैसा कि हर एक नबी ने उस ज़माना की ख़बर दी थी ज़रूर है कि वे सब कुछ घटित हो। लेकिन वे जो अपने दिलों को ठीक कर लेंगे और उन राहों को धारण करेंगे जो ख़ुदा को पसन्द हैं उन को कुछ भय नहीं और न कुछ ग़म। ख़ुदा ने मुझे सम्बोधित कर के फ़रमाया कि तू मेरी तरफ़ से नज़ीर है। मैं ने तुझे भेजा ताकि मुजरिम नेको काम करने वालों से अलग किए जाएं। और फ़रमाया कि दुनिया में एक नज़ीर (डराने वाला) आया पर दुनिया ने उस को स्वीकार न किया लेकिन ख़ुदा उसे स्वीकार करेगा और बड़े ज़ोरदार हमलों से उस की सच्चाई प्रकट कर देगा। मैं तुझे इस क़दर बरकत दूँगा कि बादशाह तेरे कपड़ों से बरकत ढूँडेंगे।

अगले भूकम्प के बारे में जो एक सख़्त भूकम्प होगा मुझे सूचना दी और फ़रमाया

"फिर बहार आई ख़ुदा की बात फिर पूरी हुई"

इस लिए एक बहुत प्रचण्ड भूकम्प का आना ज़रूरी है। लेकिन सच्चे इस से अमन में हैं। अत: सच्चे बनो और तक़्वा धारण करो ताकि बच जाओ। आज ख़ुदा से डरो ताकि उस दिन के डरने से अमन में रहो। ज़रूर है कि आसमान कुछ दिखाए और ज़मीन कुछ प्रकट करे। लेकिन ख़ुदा से डरने वाले बचाए जाऐंगे।

ख़ुदा का कलाम मुझे फ़रमाता है कि कई घटनाएं प्रकट होंगी और कई आफ़तें ज़मीन पर उतरेंगी। कुछ तो उन में से मेरी ज़िन्दगी में प्रकट में आ जाएँगी और कुछ मेरे बाद प्रकट में आएंगी। और वह इस सिल्सिला को पूरी तरक़्क़ी देगा। कुछ मेरे हाथ से और कुछ मेरे बाद।"

(रिसाला अल्वसीयत रुहानी ख़ज़ायन भाग 20 पृष्ठ 302 से 303)

"मक्का में जब अक़ाल पड़ा तो इस में भी पहले ग़रीब लोग ही मरे। लोगों ने एतराज़ किया कि अबू जहल जो इतना विरोधी है वह क्यों नहीं मरा। हालाँकि उसने तो जंग बदर में मरना था। यह अल्लाह तआला की तरफ़ से एक परीक्षा हुई करती है। और यह उस की आदत है और फिर इस के अतिरिक्त यह उस की सृष्टि है। उस को हर एक नेक और बुरे का ज्ञान है। सज़ा हमेशा मुजरिम के लिए हुआ करती है। ग़ैर मुजरिम के लिए नहीं होती। कुछ नेक भी इस से मरते हैं। परन्तु वे शहीद होते हैं और उनको बिशारत होती है और धीरे-धीरे सब का समय आ जाता है।"

(मल्फ़ूज़ात भाग 2 पृष्ठ 650 प्रकाशन रब्वाह)

सम्पादकीय

फ्रांस के प्रधानमन्त्री के घृणित ब्यान का खण्डन

पिछले दिनों में फ्रांस में एक बार फिर गुस्ताख़ाना कार्टूनों के प्रकाशन के कारण से न केवल सारी दुनिया के मुसलमानों के दिल ज़ख्मी हुए बल्कि प्रत्येक न्याय प्रिय और धार्मिक बराबरी का इच्छुक व्यक्ति तकलीफ़ और दर्द में डूब गया। इस बात में कोई शक नहीं कि समय-समय पर इस प्रकार की हीन हरकतों के द्वारा इस्लाम दुश्मन ताक़तें मुसलमानों को उलझाकर नेकी तथा तरक्की से दूर रखना चाहते हैं। इस प्रकार की जोश में लाने वाली हरकतें करके मुस्लमानों को भड़काया करते हैं ताकि मासूम मुस्लमान बदला की भावना में पड़ कर अपने भविष्य को बर्बाद कर दें।

मुसलमानों को भी चाहिए कि इस प्रकार की घृणित हरकतों का जवाब क़ुरआन करीम की शिक्षा और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के आदर्श को अपनाते हुए दिया करें। भड़क कर क़ानून को हाथ में लेकर कुछ लोगों को मारने से कोई स्थायी और मज़बूत नतीजा नहीं निकलेगा।

आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की बुलन्द शान का वर्णन करते हुए अल्लाह तआला ने फ़रमाता है।

وَرَفَعْنَا لَكَ ذِكْرَكَ (अलम नश्रह 5) अर्थात और हम ने तेरे लिए तेरे वर्णन को बुलंद कर दिया।

इस आयत की तफ़सीर में हज़रत मुस्लेह मौऊद रज़ि फ़रमाते हैं

"एक अर्थ यह हैं कि हमने तेरे ज़िक्र को इतना बुलन्द कर दिया है कि हर मज्लिस और हर गांव में तेरा ज़िक्र होने लगा है। लोगों की तबीयतों में एक जोश पैदा हो गया है और वे इस बात पर विवश हो गए हैं कि तेरी तरफ़ ध्यान दें। इस का परिणाम तेरे हक़ में निसन्देह अच्छा होगा क्योंकि लोग जब ग़ौर करेंगे तो उन पर तेरी सच्चाई स्पष्ट हो जाएगी। एक अर्थ यह हैं कि हमने समस्त लोगों का ध्यान तेरी तरफ़ फेर दी है। प्रत्येक व्यक्ति समझता है कि यह दुनिया में कुछ न कुछ करके रहेगा। इस का मुक़ाबला करना चाहिए। इस आयत के एक यह भी अर्थ हैं कि हमने तेरी क़बूलीयत दुनिया में फैला दी है। वास्तव में सफलता के साथ इस बात का भी सम्बन्ध होता है कि ख़ुदा तआला की तरफ़ से दुनिया में क़बूलीयत के चिन्ह पैदा कर दिए जाएं. .. इस के अतिरिक्त इस आयत का इशारा इस तरफ़ भी है कि मुहम्मद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का ज़िक्र फैलना शुरू हो जाएगा। अत: तारीख़ों से मालूम होता है कि बहुत शीघ्र आपका ज़िक्र सारे अरब में फैल गया था। और लोग ईमान भी लाने लगे थे। अत: अबूज़र ग़फ़्फ़ारी रज़ि ग़फ़्फ़ार में , कुछ लोग यमन में, कुछ मदीना में मक्की ज़िन्दगी में ही ईमान ले आए और इस तरह आपका सिल्सिला विभिन्न देशों में फैल गया।

(तफ़सीर कबीर भाग 10 सूरत इंशिराह की तफसीर के अन्तर्गत)

हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाह तआला बेनस्रेहिल अज़ीज़ फरमाते हैं।

"आजकल मुसलमानों के ख़िलाफ़ ग़ैर मुस्लिम दुनिया के कुछ देशों के लीडर बड़े द्वेष और कीना की भावनाएं रखते हैं ...पिछले दिनों... खुल के किसी लीडर का बयान आया तो वह फ्रांस का प्रधानमन्त्री था.. यदि दुनिया को पता हो कि मुस्लमान एक हैं एक ख़ुदा और एक रसूल के मानने वाले हैं और इस के लिए क़ुर्बानियां देना जानते हैं तो कभी ऐसी हरकतें न हों ग़ैर मुस्लिम दुनिया की तरफ़ से। कभी किसी अख़बार को आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के कार्टून छापने का साहस न हो...एक या दो या चार आदमी को क़तल करने से वक़्ती जोश तो निकल जाता है लेकिन यह कोई स्थायी हल नहीं है मुस्लिम उम्मत यदि स्थायी हल चाहती है तो समस्त मुस्लमान दुनिया इकट्ठी हो।"

(ख़ुत्बा जुमा 6 नवम्बर 2020 ई)

इस अन्तर्गत में हमें दुआओं पर बहुत ज़ोर देना चाहिए कि अल्लाह तआला सारी दुनिया को अक़्ल प्रदान करे और सच्चाई स्वीकार करने की तौफीक़ प्रदान करे। आमीन

(हाफिज़ सय्यद रसूल नयाज़)

INDIAN AUTO

हर प्रकार की मोटर गाड़ियों के पार्टस सस्ते रेट पर खरीदें।

P. Ali Koya

CALICUT (KERALA)

"शिक्षा प्राप्त करना हर मुस्लिम पुरुष एवं स्त्री का कर्त्तव्य है"

MUSTAFA BOOK CO

All kinds of Academic Book of Kerala Board, CBSE, ISCS & Universities

Fort Road

KANNUR-1 (KERALA)

Mobile : 09895655426

SONET SOLUTIONS

PRIVATE LIMITED

No.41, II Cross, Doctors Layout,
Kasturi Nagar,
BANGALORE - 560043

तालिबे दुआ :

MUSADDIQ AHMAD

Mobile : 098451-98560

Tel : +91 (80) 41636612

Web : www.sonetsolutions.in

सदर मज्लिस अन्सारुल्लाह का निवेदन

आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के सुन्दर चेहरे को दुनिया को दिखाएं।

हमारे प्यारे आक़ा सय्यदना हज़रत अक़्दस मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के पवित्र जीवन पर अपवित्र आरोप लगाए जाने पर बदक़िस्मती से मुसलमानों की तरफ़ से सिवाए कुछ एक को छोड़ कर सही उत्तर देने के स्थान पर हिंसा या धमकी पर आधारित बयानों के द्वारा अपनी ग़ैरत को प्रकट किया जाता है। सलमान रुशदी और तस्लीमा नसरीन की तरफ़ से जब इस्लाम के संस्थापक पर आरोप लगाए गए तो इस्लामी शिक्षाओं की रोशनी में विस्तार से तर्क पूर्ण उत्तर देने में जमाअत अहमदिया सब से आगे रही थी। डेनमार्क और फ्रांस में आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के कार्टून बनाए गए तो सय्यदना हुज़ूर अनवर अय्यदहुल्लाह तआला बेनस्रिहिल अज़ीज़ ने 2006 ई में 10 फरवरी 17 फरवरी 24 फरवरी और 3 मार्च 10 मार्च को अपने जुम्अ: के ख़ुत्बों में निरन्तर दुनिया और मुसलमानों का मार्गदर्शन फ़रमाते रहे कि ऐसे अवसरों पर हमारी सही प्रतिक्रिया कैसी होनी चाहिए। ये ख़ुत्बे "रसूल का आदर्श और कार्टूनों की वास्तविकता" के नाम से पुस्तक रूप में प्रकाशित हो चुके हैं। हुज़ूर अनवर ने विशेष रूप से नसीहत फ़रमाई थी कि झंडे जलाने और तोड़फोड़ करने से आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की इज़्ज़त स्थापित नहीं हो सकती। अपने दर्द को दुआओं में ढालें और आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम पर बहुत अधिक संख्या में दरूद भेजें। मुसलमानों के बिघराव और कमज़ोरी का मूल कारण आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की अवज्ञा और मसीह तथा महदी का इन्कार है।

अब भी हुकूमतों के प्रमुख और मुसलमानों को और हम अहमदियों को भी इस बारे में मार्गदर्शन करते हुए हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाह तआला बेनस्रेहिल अज़ीज़ फ़रमाते हैं

"मसीह मुहम्मदी के मानने वालों का यह काम है यह कर्तव्य है कि इस्लाम की सुन्दर शिक्षा को दुनिया में फैलाएं। आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के सुन्दर चेहरे को दुनिया को दिखाऐं और उस वक़्त तक शान्ति से न बैठें जब तक सारी दुनिया को आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के झंडे तले न ले आएं। दुनिया को बताएं कि तुम्हारी बक़ा इसी में है कि एक ख़ुदा को पहचानो और अत्याचारों को समाप्त करो। कुछ समय पहले मैंने कुछ हुकूमत के प्रमुखों को दोबारा ख़त लिखे थे कुछ महीने पहले इन्हें कोविड के दौरान में तो फ्रांस के सदर को भी मैंने लिखा था और इस में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम वस्सलाम के शब्दों में यह चेतावनी भी की थी कि यह प्रकोप और आफ़तें अल्लाह तआला की तरफ़ से अत्याचारों के कारण से आते

हैं इस लिए तुम्हें इस तरफ़ ध्यान देने की ज़रूरत है। अत्याचारों को समाप्त करो और न्याय को स्थापित करो और हक़ पर आधारित बयान दो। हमने जो अपना फ़र्ज़ था पूरा किया है और करते रहेंगे। अब किसी की यह इच्छा है चाहे वह उस को समझे या न समझे परन्तु हमने बहरहाल उम्मत मुस्लिमा को दुआओं में नहीं भूलना।

अल्लाह तआला उन्हें सामर्थ्य दे कि यह आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के सच्चे ग़ुलाम को भी पहचान लें और दुनिया को उमूमी तौर पर भी सोचना चाहिए कि ऐसी बातें यदि ख़ुदा से दूर हटते चले गए वह तो उनकी तबाही के अतिरिक्त कुछ नहीं है और उमूमी तौर पर हमने भी यह कोशिश करनी है कि दुनिया को अल्लाह तआला की तौहीद के नीचे लाऐं। आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के झंडे के नीचे लाना है। यही तहरीक जदीद का उद्देश्य भी है और अल्लाह तआला हमें इस की तौफ़ीक़ भी प्रदान फ़रमाए।"

(ख़ुत्बा जुमा 6 नवम्बर 2020 ई)

दुआ है कि अल्लाह तआला हम अन्सारुल्लाह के सदस्यों को अपनी कथनी तथा करनी से इस्लाम की सुन्दर शिक्षा को दुनिया में फैलाने और आँहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के सुन्दर चेहरे को दुनिया को दिखाने का सामर्थ्य प्रदान फ़रमाए। आमीन

अताउल मुजीब लोन

सदर मजलिस अन्सारुल्लाह भारत

Maqbool Ahmed
Cell : 9949310679
: 9949209561

Plant Medicine

Special Treatment for : Kidney Failure, Kidney Enlarge, Shrinkage, Kidney Gall Bladder Stone, Piles

H. No. 18-2-69/a, Jangammet, Falaknuma, Hyderabad - 53

Mob: 9008510546

Akmal Tailor

Hill Road, Madikeri - 571201

Pants, Shirts & All Gents Wears Stitching Here

Mobile : 9572858090, 9955553631

NEW MOBILE POINT

TABASSUM FANCY STORE

Mosabi Market No. 3, East Singhbhum
JHARKHAND Pin - 832104

Cell : 09886083030

زبیر احمد شحنہ

ZUBER

Engineering Works
Body Building All Types of
Welding and Grill Works
HK Road - YADGIR-585201
Dist. Gulbarga - Karnataka

क्या हम अन्सारुल्लाह कहलाते हुए अपनी ज़िन्दगियां हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की इच्छा के अनुसार ढालने की चेष्टा कर रहे हैं।

समापन ख़िताब अमीरुल मोमनीन हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाह तआला बेनस्त्रेहिल अज़ीज़

सालाना इज्तिमा मज्लिस अन्सारुल्लाह यूके दिनांक 15 सितम्बर 2019 ई (भाग..3)

फिर तज़किया नफ़्स और तक़्वा इख़तियार करने के बारे में आप हैं कि

"अल्लाह तआला ने जितनी शक्तियां प्रदान फ़रमाई हैं वे नष्ट करने के लिए नहीं दी गई उनको मध्य और उचित रूप से प्रयोग करना ही उनकी बढ़ावा मिले।" उनको ठीक तरह उचित अवसर पर प्रयोग करना और जायज़ उस का प्रयोग करना यही उस का बढ़ावा होता है।" इसी लिए इस्लाम ने परुषत्व की शक्ति या आँख के निकालने की शिक्षा नहीं दी।" इन्सान के मर्द औरत के सम्बन्धों की जो शक्तियां हैं उनको नष्ट करने के लिए नहीं कहा या आँख को निकालने के लिए नहीं कहा कि बुरी नज़र नडालने के लिए नहीं कहा "बल्कि उनका जायज़ प्रयोग और नफ़्स की पवित्रता करो जैसे फ़रमाया। قَدْ اَفْلَحَ الْمُؤْمِنُوْنَ (अलमोमेनून: 2)और ऐसे ही यहां भी फ़रमाया। मुत्तक़ी की ज़िंदगी का नक़्शा खींच कर अन्त में बतौर नतीजा यह कहा। وَاُولٰٓئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُوْنَ ।(अलबक़र: 6)अर्थात वे लोग जो तक़्वा पर क़दम मारते हैं। ग़ैब पर ईमान लाते हैं। नमाज़ डगमगाती है फिर उसे खड़ा करते हैं। ख़ुदा के दिए हुए से देते हैं। बावजूद नफ़्स के खतरों के बिना सोचे पिछली और मौजूदा अल्लाह की किताब पर ईमान लाते हैं और आन्त में वह यक़ीन तक पहुंच जाते हैं। यही वे लोग हैं जो हिदायत के सिर पर हैं वे एक ऐसी सड़क पर हैं जो बराबर आगे को जा रही है।" अत: यह यक़ीन पैदा करना होगा जो आगे तक ले जाता चला जाएगा। अल्लाह तआला की हस्ती पर यक़ीन होगा। ईमान बिलग़ैब करना होगा।" और जिससे आदमी सफलता पाता है। फिर कामयाबियां प्राप्त हो जाएँगी । फ़रमाया "अत: यही लोग सफल हैं जो लक्ष्य तक पहुंच जाऐंगे और रास्तों के ख़तरों से नजात पा चुके हैं। इसलिए शुरू में ही अल्लाह तआला ने हमको तक़्वा की शिक्षा देकर एक ऐसी किताब हमको प्रदान की जिसमें तक़्वा के नसीहतें दी हैं।

अत: हमारी जमाअत यह ग़म सारे दुनयावी ग़मों से बढ़कर अपनी जान पर लगाए।"फ़रमाया अत: हमारी जमाअत यह ग़म अर्थात तक़्वा प्राप्त करने का ग़म, अल्लाह तआला से मिलने का ग़म, चिन्ता ,ग़म से अभिप्राय है फ़िक्र, समस्त दुनयावी ग़मों से बढ़कर अपनी जान पर लगाए " कि उनमें तक़्वा है या नहीं। अत: आप अलैहिस्सलाम हमें अपनी समीक्षा करने की तरफ़ इस में ध्यान दिला रहे हैं और हम यह ख़ुद ही अपनी समीक्षा कर सकते हैं। फिर इस तरफ़ ध्यान दिलाते हुए कि तक़्वा वाले कौन लोग हैं और जिसके दिल में तक़्वा हो उसे अपनी ज़िन्दगी किस तरह व्यतीत करनी चाहिए फ़रमाते हैं

"तक़्वा वालों के लिए यह शर्त है कि वे अपनी ज़िन्दगी दरिद्रता और विनम्रता में व्यतीत करें। यह

तक़्वा की एक शाख़ है जिसके द्वारा हमें नाजायज़ क्रोध का मुक़ाबला करना है। बड़े बड़े आरिफ़ और सिद्दीक़ों के लिए आख़िरी और कड़ी मंज़िल क्रोध से बचना ही है।" फ़रमाया "गर्व तथा अहंकार क्रोध से पैदा होता है।" गर्व या अहंकार जो है यह क्रोध से, ग़ुस्सा में जो इन्सान आता है उस समय पैदा होता है "और ऐसा ही कभी ख़ुद क्रोध ,गर्व तथा अहंकार का नतीजा होता है क्योंकि क्रोध उस वक़्त होगा जब इन्सान अपने नफ़स को दूसरे पर प्राथमिकता देता है।" फ़रमाया "मैं नहीं चाहता कि मेरी जमाअत वाले आपस में एक दूसरे को छोटा या बड़ा समझें या एक दूसरे पर गर्व करें या हीन दृष्टि से देखें। ख़ुदा जानता है कि बड़ा कौन है या छोटा कौन है। यह एक प्रकार का तिरस्कार है जिसके अंदर हीनता है। डर है कि यह तिरस्तकारिता बीज की तरह बढ़े और इस की हलाकत का कारण हो जाए।" यह बड़ा प्रशंसा योग्य बात है। फ़रमाया कि "कुछ आदमी बड़ों को मिल कर बड़े शिष्टाचार से व्यवहार करते हैं।" यह भी हम देखते हैं कि बड़ों से मिलकर बड़े शिष्टाचार से व्यवहार करते हैं, बड़ी इज़्ज़त करते हैं, बड़ा सम्मान करते हैं। फ़रमाया "परन्तु बड़ा वह है जो दरिद्र की बात को नर्मी से सुने।" वास्तविक बड़ाई तो यह है कि कमज़ोर और कम ताक़त वाला जो है इस की बात को सुनो ,ग़रीब की बात को सुनो ,असहाय की बात को सुनो। फ़रमाया कि यही जड़ है विनम्रता की और यही बुनियाद है विनय की। इस पर क़ायम होगे तो तभी कह सकते हैं कि तक़्वा पैदा हुआ है और इस के लिए आप ने फ़रमाया कि ग़रीब की बात सुनो "उस का दिलन तोड़ो। इस की बात की इज़्ज़त करे। कोई चिढ़ की बात मुँह पर न लाए कि जिससे दुख पहुंचे। ख़ुदा तआला फ़रमाता है। وَلَا تَنَابَزُوْا بِالْاَلْقَابِ بِئْسَ الِاسْمُ الْفُسُوْقُ بَعْدَ الْاِيْمَانِ وَمَنْ لَّمْ يَتُبْ فَاُولٰٓئِكَ هُمُ الظّٰلِمُوْنَ (अल-हुजरात:12) तुम एक दूसरे का चिढ़ के नाम न लो। यह कर्म दुराचारी का है। जो व्यक्ति किसी को चिढ़ाता है वह न मरेगा जब तक वह ख़ुद इसी तरह पीड़ित न होगा। अपने भाईयों को हीन न समझो। जब एक ही चशमा से सभी पानी पीते हो तो कौन जानता है कि किस की क़िस्मत में अधिक पानी पीना है। आदरणीय तथा सम्माननीय कोई दुनियावी नियमों से नहीं हो सकता। ख़ुदा तआला के निकट बड़ा वह है जो मुत्तक़ी है اِنَّ اَكْرَمَكُمْ عِنْدَ اللّٰهِ اَتْقٰكُمْ اِنَّ اللّٰهَ عَلِيْمٌ خَبِيْرٌ۔ (अल-हुजरात:14)

(मल्फ़ूज़ात भाग 1 पृष्ठ 35-36)

अल्लाह तआला के निकट तुम्हारे में से अधिक सम्मान्नीय वही है जो अधिक मुत्तक़ी है। इस बात को वर्णन फ़रमाते हुए कि सच्ची फ़िरासत और सच्ची सूझबूझ अल्लाह तआला की तरफ़ लौटे बिना प्राप्त नहीं हो सकती। आप फ़रमाते हैं

"सच्ची फ़िरासत और सच्ची सूझबूझ अल्लाह तआला की तरफ़ लौटे बिना प्राप्त ही नहीं हो सकती। इसी लिए तो कहा गया है कि मोमिन की फ़िरासत से डरो क्योंकि वह अल्लाह के नूर से देखता है। सही फ़िरासत और हक़ीक़ी सूझबूझ ... कभी नसीब नहीं हो सकती जब तक तक़्वा न मिले।"

फ़रमाया "यदि तुम सफल होना चाहते हो। तो अक़्ल से काम लो। चिन्ता करो। सोचो । चिन्तन और फ़िक्र के लिए क़ुरआन करीम में बार-बार नसीहतें मौजूद हैं। क़ुरआन करीम में फ़िक्र करो और नेक तबीयत के हो जाओ। जब तुम्हारे दिल पवित्र हो जाऐंगे और इधर अच्छी अक़्ल से काम

लोगे और तक़्वा के मार्गों पर क़दम मारोगे फिर इन दोनों के जोड़ से वह हालत पैदा हो जाएगी कि رَبَّنَا مَا خَلَقْتَ هٰذَا بَاطِلًا سُبْحٰنَكَ فَقِنَا عَذَابَ النَّارِ۔ (आले इम्रान 192) तुम्हारे दिल से निकलेगा उस वक़्त समझ में आ जाएगा कि यह सृष्टि व्यर्थ नहीं।" जो तुमने बनाया है यह झूठ नहीं है, व्यर्थ नहीं बनाया "बल्कि वास्तविक सृष्टा की सच्चाई और प्रमाण पर दलील करती है ताकि तरह तरह के ज्ञान जो धर्म को मदद देते हैं प्रकट हों।"

(मल्फ़ूज़ात भाग 1 पृष्ठ 66)

अत: तक़्वा होगा तो धार्मिक ज्ञानों के साथ दुनयावी ज्ञानों के भी रास्ते खुलेंगे। अल्लाह तआला उनके भी रास्ते दिखाएगा। उनकी भी समझ प्राप्त होगी और इस से फिर इल्म तथा मार्फ़त में भी उन्नति होगी। सच्चाई और तक़्वा की तरफ़ ध्यान दिलाते हुए आप फ़रमाते हैं

"ज़रा सोचो और समझो ख़ुदा के लिए अक़्ल से काम लो और इसलिए कि अक़्ल में तेज़ी और ज़हानत पैदा हो सच्चे और मुत्तक़ी बनो। पवित्र अक़्ल आसमान से आती है और अपने साथ एक नूर लाती है परन्तु वह योग्य पात्र की तलाश में रहती है। इस पवित्र सिल्सिला का क़ानून वही क़ानून है जो हम शारीरिक क़ानून में देखते हैं। बारिश आसमान से पड़ती है परन्तु कोई जगह इस बारिश से फूलों से भर जाती है और कहीं कांटे और झाड़ियाँ ही उगती हैं और कहीं वही बूंद बारिश समुंद्र की तह में जा कर एक मोती बनता है। किसी के कहने के अनुसार

"दर बाग़ लाला रवेद दर शोरा बूम ख़स"

कि वह (बारिश) बाग़ में तो फूल उगाती है और बंजर में घास फूस उगाती है। फिर उस को स्पष्ट करते हुए फ़रमाते आप फ़रमाते हैं कि "यदि ज़मीन योग्य नहीं होती तो बारिश का कुछ भी लाभ नहीं पहुंचता बल्कि उल्टा हानि और नुक़्सान होता है। इसी लिए आसमानी नूर उतरा है और वह दिलों को रोशन करना चाहता है। इस के स्वीकार करने और इस से लाभ उठाने को तैयार हो जाओ ताकि ऐसा न हो कि बारिश की तरह कि जो ज़मीन योग्य पात्र नहीं रखती। जिसमें विशेषता ही नहीं जो बंजर ज़मीन है। वह इस को नष्ट कर देती है। तुम भी बावजूद नूर की मौजूदगी के अन्धेरे में चलो।" बारिश तो हो रही है परन्तु यदि ज़मीन अच्छी नहीं तो अन्धरे में चलोगे। नूर मौजूद है, नूर से लाभ नहीं उठा सकोगे। "और ठोकर खा कर अंधे कुवें में गिर कर हलाक हो जाओ। अल्लाह तआला दयालु माता से भी बढ़कर मेहरबान है वह नहीं चाहता कि इस की सृष्टि नष्ट हो। वह हिदायत और रोशनी की राहें तुम पर खोलता है परन्तु तुम उन पर क़दम मारने के लिए अक़्ल और नफ़्सों की पवित्रता से काम लो। जैसे ज़मीन कि जब तक हल चला कर तैयार नहीं की जाती बीज रोपन इस में नहीं होता इसी तरह जब तक कोशिशों और चेष्टाओं से नफ़्स की पवित्रता नहीं होती पवित्र अक़्ल आसमान से उतर नहीं सकती।

इस ज़माना में ख़ुदा तआला ने बड़ा फ़ज़ल किया और अपने धर्म और हज़रत नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के समर्थन में ग़ैरत खा कर एक इन्सान को जो तुम में बोल रहा है भेजा।" हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं अपने बारे में कि मैं वह इन्सान हूँ जो अल्लाह तआला ने ग़ैरत खा कर भेजा है।

(शेष.....)